समाचार

निगम द्वारा विशेष अभियान चलाकर 71 किलोमीटर लंबे 40 बड़े नालों व अन्य छोटे नालों का किया जा रहा सफाई कार्य

(वर्षा ऋतु के पूर्व किए जा रहे नाला सफाई कार्य में अब तक 50 प्रतिशत कार्य किया गया पूर्ण, शेष कार्य एक पखवाड़े के अंदर पूरा करने रखा गया लक्ष्य)

कोरबा 26 मई 2025 –नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वर्षा ऋतु से पूर्व एक विशेष अभियान संचालित कर निगम क्षेत्र के 71 किलोमीटर लंबे 40 बड़े नालों व अन्य छोटे नालों का सतह से सम्पूर्ण सफाई का कार्य किया जा रहा है। निगम द्वारा अब तक 50 प्रतिशत से अधिक का कार्य पूरा कर लिया गया है, वहीं शेष कार्य को एक पखवाड़े के अंदर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत व आयुक्त श्री विनय मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि नालों के सफाई के कार्य में और अधिक तेजी लाएं तथा नालों की सतह से सफाई का कार्य शीघ्र पूरा करें।

निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी ने बताया कि नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्रांतर्गत लगभग 71 किलोमीटर की लंबाई वाले 40 बड़े नाले व अन्य छोटे नाले स्थित हैं, जिनके माध्यम से शहर से प्रतिदिन उत्सर्जित अपशिष्ट पानी व बरसाती पानी की निकासी होती है। उन्होने बताया कि प्रत्येक वर्ष वर्षा ऋतु के पहले इन नालों की सतह से सम्पूर्ण सफाई की जाती है, चूंकि मानसून का आगमन अब कुछ दिनों बाद होगा, इसे ध्यान में रखते हुए निगम ने विगत एक पखवाड़े से अधिक समय से एक विशेष अभियान चलाकर नालों की सफाई का कार्य कराया जा रहा है,

उन्होने बताया कि अभी तक लगभग 50 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है तथा यह लक्ष्य रखा गया है कि आगामी एक पखवाड़े के अंदर नालों की सम्पूर्ण सफाई का कार्य पूरा कर लिया जाए।

नालों की स्वच्छता पर रखें सतत नजर – महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत एवं आयुक्त श्री विनय मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि निगम क्षेत्र में स्थित सभी नालों की स्वच्छता पर सतत नजर रखें, वर्तमान में संचालित सफाई कार्य के विशेष अभियान में और अधिक तेजी लाएं तथा नालों की सम्पूर्ण सफाई का कार्य शीघ्र पूरा करें। उन्होने कहा है कि सभी नालों की एक बार सम्पूर्ण सफाई के पश्चात नालों की स्वच्छता पर नजर रखें, नियमित मानीटरिंग करें तथा जिन नालों में पुनः कचरे आदि का जमाव परिलक्षित होता है, उसकी तत्काल सफाई करवाएं ताकि बरसात के दौरान अतिवर्षा की स्थिति में बरसाती पानी की निकासी बिना किसी अवरोध के हो सके तथा कहीं पर भी जल भराव जैसी समस्याका सामना न करना पड़े।